



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

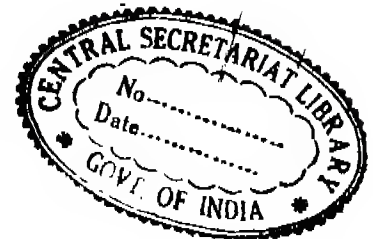
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 118]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 16, 1979/चैत्र 26, 1901

No. 118]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 1979/CHAITRA 26, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

अभिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1979

सा. का. नि. 247(अ).—खादी और ग्रामोद्योग आयोग अधिनियम, 1956(1956 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम को शामिल करती है, अर्थात् :—

“पोलि वस्त्र” से भारत में हाथ से काते गए सूती, रेशमी, ऊनी या कृत्रिम रेशेदार भागें अथवा उनमें से केवल दो के मिश्रण या सभी से भारत में हथ-करधों पर बुना हुआ अथवा भारत में हाथ से काते गए सूती, रेशमी, ऊनी या कृत्रिम रेशेदार भागें या किन्हीं दो के मिश्रण या ऐसे सभी भागों से

भारत में हाथ से बुना हुआ कोई कपड़ा अभिप्रेत है।

[फाइल संख्या 6(13)/77-के.वी.आई. (1)]

एस. जे. कोएलो, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 1979

G.S.R. 247(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the Khadi and Village Industries Commission Act, 1956 (61 of 1956), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act, the following village industry, namely :—

“Poly Vastra” which means any cloth woven on handloom in India from yarn handspun in India from a mixture of man-made fibre with either cotton, silk or wool or with any two or all of them or from a mixture of man-made fibre yarn handspun in India with either cotton silk or woollen yarn handspun in India or with any two or all of such yarns.

[F. No. 6(13)/77-KVI(I)]

S. J. Koelho, Jt. Secy.

